इकाई–13

सूचना उत्पाद
(Information Products)

पाठ संरचना **(Lesson Structure)**

13.0 उद्देश्य **(Objective)**

13.1 परिचय **(Introduction)**

13.2 सूचना उत्पाद **(Information Product)**

13.3 समाचार पत्रिका **(Newsletter)**

13.4 इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका **(Electronic Newsletter)**

13.5 घरेलू पत्रिका **(House Journal)**

13.6 व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन **(Business and Product Bulletin)**

13.7 सारांश **(Summary)**

13.8 मॉडल प्रश्न **(Model Questions)**

13.9 प्रस्तावित पाठ **(Suggested Readings)**

13.0 उद्देश्य (Objective)

इस पाठ में हमारा उद्देश्य किसी पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र के द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के माध्यम से तैयार किये गये विभिन्न सूचना उत्पादों के संबंध में जानकारी प्राप्त करना है। इसके लिए हम प्रारम्भ में सूचना उत्पाद शब्द के अभिप्राय को समझने का प्रयास करेगें। तत्पश्चात् विभिन्न प्रकार के प्रचलित सूचना उत्पादों जैसे समाचार पत्रों, इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका, घरेलू पत्रिका, व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन इत्यादि पर विस्तार से चर्चा करेगें। इस विस्तृत चर्चा में समाचार पत्रिका के प्रचार एवं कार्यों को समझने का प्रयास करेंगे। घरेलू पत्रिका के सन्दर्भ में उसके अभिप्राय, लक्षण, कार्य एवं प्रकारों का वर्णन करेंगे। व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन में उसके लक्षण एवं व्यापार साहित्य के प्रमुख स्रोतों को समझने का प्रयास करेंगे।

13.1 परिचय (Introduction)

किसी पुस्तकालय के लिए उसके उपयोगकर्ता की सूचना प्राप्ति के सन्दर्भ में संतुष्टि सर्वोपरि है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु पुस्तकालय विभिन्न कार्यों को सम्पादित कर उपयोगकर्ताओं के लिए भिन्न–भिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं। ऐसे में यदि इन्हीं सेवाओं को प्रकाशित स्रोतों के स्वरूप में तैयार कर उपयोगकर्ता को उसके कार्य स्थल पर प्रदान किया जाय तो संभवतः उपयोगकर्ता को अधिकतम संतुष्टि की अनुभूति कराई जा सकती है। इस तरह के प्रकाशित स्रोत ही पुस्तकालय के सूचना उत्पाद होते हैं। इन समस्त प्रयासों के माध्यम से पुस्तकालय आसानी से अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है।

13.2 सूचना उत्पाद (Information Product)

पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं को प्रदान करने हेतु दी जाने वाली सेवाओं से उपयोगकर्ताओं को अधिक से अधिक सहयोग एवं संतुष्टि हेतु उत्पाद के स्वरूप में प्रदान करने हेतु सूचना उत्पाद तैयार किये जाते हैं। इन सूचना उत्पादों में आमतौर पर एक विशिष्ट विषय के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है एवं ऐसे उत्पाद पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं के अलावा वाह्य व्यक्तियों को मांग के आधर पर बेचे जा सकते हैं। सूचना उत्पाद में प्रदान की जाने वाली जानकारी के रूप में न केवल पुस्तक, ई–पुस्तक, सीडी–रोम, आडियो, वीडियो, सेमीनार, टेलीसेमीनार, सलाह इत्यादि की सूचना दी जाती है बल्कि यह इनके अतिरिक्त उन सभी सूचनाओं को भी इसमें समाहित किया जाता है जो अपेक्षित ग्राहक के लिए आवश्यक हों एवं सूचना बाजार में एक महत्वपूर्ण उत्पाद के रूप में इसे स्थापित करने हेतु आवश्यक हों।

सूचना उत्पाद अपने अपेक्षित उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए किसी संगठन, वाणिज्यिक संस्था, सामाज सेवी संस्था से सम्बन्धित सूचना जैसे पदोन्नति आदि की जानकारी प्रदान करता है। इन उत्पादों में समाचार पत्र, पत्रिका, व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन शामिल हैं। ये सभी प्रकाशन किसी संगठन के आधुनिक कार्यों एवं सेवाओं के बारे में जनसामान्य को सूचित कराने हेतु सूचनाएं प्रकाशित करते हैं। इन सूचना उत्पादों का प्रमुख उद्देश्य संगठन के छवि को बढ़ाना तथा इसके उत्पादों एवं सेवाओं को प्रोत्साहित करना है। समाचार पत्र में एक व्यवस्थित ढंग से संगठन की आधुनिक क्रियाविधियों से के बारे में दर्शकों अथवा वाह्य व्यक्तियों को तीव्रता एवं समय से सूचनाएं प्रदान की जाती हैं। किसी संगठन की पत्रिका में उस संगठन के कार्यों, कार्य शैली एवं प्रगति के बारे में जानकारी दी जाती है। कभी–कभी ऐसी पत्रिकाएं संगठन स्वयं प्रकाशित करता है, तो कहीं इन्हें वितरकों अथवा वाणिज्यिक प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित किया जाता है। ऐसे प्रकाशन दोहरी सूचनाएं प्रदान करते हैं। ये प्रकाशन न केवल पुस्तकालय के सूचना उत्पादों की विषेषताएं, प्रक्रियाएं, सामग्री एवं सेवाओं के बारे में जानकारी देते हैं बल्कि साथ ही उनके विक्रय को प्रोत्साहित करने हेतु उन सभी सूचनाओं को इसमें समाहित करते हैं जो अपेक्षित ग्राहक के लिए आवश्यक हों। कम्प्यूटर के विकास ने उद्योगों, व्यवसायिक एवं सामाजिक सेवी संगठनों को उनकी मूलभूत कार्य प्रणाली में बदलाव के साथ प्रभावित किया है। ऐसे में ये सभी संस्थाएं अपनी गतिविधियों एवं क्रियाकलापों का प्रचार अपने इलेक्ट्रानिक सूचना उत्पादों जैसे ई–समाचार पत्र, इन्टरनेट के व्यापारिक होमपेज एवं ई–वाणिज्य इत्यादि के माध्यम से सुनिश्चित करती हैं।

13.3 समाचार पत्रिका (Newsletter)

समाचार पत्रिका एक या अधिक जैसे प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक या अन्य किसी माध्यम में एक धारावाहिक प्रकाशन के स्वरूप में प्रकाशित पत्रिका है। यह किसी विशेष समूह के पाठक की रुचि के अनुसार आधुनिक सूचना या समाचार को शामिल करती है तथा यह एक निश्चित समयांतराल पर प्रकाशित की जाती है। विभिन्न संगठन आवश्यकता पड़ने पर अपने सदस्यों अथवा ग्राहकों के लिए ऐसी समाचार पत्रिकाओं का प्रकाशन करते हैं। समाचार पत्रिका का प्रारम्भ 16वीं शताब्दी से माना जाता है लेकिन यह 17वीं शताब्दी में सामान्य रूप से परिसंचरित होने लगा। प्रारम्भिक समाचार पत्रिका 'कोरेन्टोस' के नाम से जाना जाता था जो कि यूरोपियन वाणिज्यिक केन्द्र से प्रकाशित होता था। पहली समाचार पत्रिका का लगातार प्रकाशन 1609 ई0 से दिखाई देता है जो जर्मनी के स्ट्रासबर्ग से Avisa Relation Odor Zeitung नाम से साप्ताहिक के रूप में प्रकाशित होती थी।

1960 एवं 1970 के दशक में टाइपराइटर की विस्तृत उपलब्धता एवं अन्य प्रिंन्टिग उपकरण के प्रचलन के कारण समाचार पत्रिकाओं के प्रकाशन में गति आयी। 1990 के दशक से समाचार पत्रिकाओं का एक दूसरा स्वरूप–आनलाइन या वेब पत्रिका के रूप में सामने आया, जो कि इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका के नाम से जाना गया।

13.3.1 समाचार पत्रिका के प्रकार (Types of Newsletter)

समाचार पत्रिकाओं को उनके प्रकाशक संगठनों की प्रकृति के आधार पर निम्नलिखित प्रकारों में चिन्हित किया जाता है–

1. अनुसंधान एवं विकास संगठन (राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय)
2. व्यवसायिक संघ (राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय)
3. सरकारी संगठन
4. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम
5. निजी संस्थान
6. शैक्षिक संस्थान इत्यादि

13.3.1 समाचार पत्रिका के कार्य (Functions of Newsletter)

समाचार पत्रिका निश्चित समूह के पाठकों के लिए साधारण जागरूकता एवं तीव्र सूचना को प्रदान करने वाला प्रकाशन है। समाचार पत्रिका का उत्पादन अपेक्षाकृत आसान, तेज एवं सस्ता होता है। बहुत से संगठन अपने लक्षित पाठकों के लिए तीव्र गति एवं समयबद्धता के साथ अपनी विभिन्न क्रियाकलापों से सम्बन्धित सूचनाओं को अपने समाचार पत्रिकाओं के माध्यम से प्रकाशित करते हैं। इसके अतिरिक्त इस तरह के प्रकाशन के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं–

1. समाचार पत्रिका एक माध्यम के रूप में कार्य करती है।
2. यह संस्थान के उत्पादकों एवं सेवाओं का प्रचार एवं प्रकाशन करती है।

3. वर्तमान एवं भविष्य के कार्यक्रमों जैसे–सम्मेलन, संगोष्ठी एवं कार्यशाला आदि की घोषणा करती है।
4. यह सम्बन्धित संस्थान के सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रियाकलाप, व्यक्तिगत सूचनाएं, नियुक्तियाँ, पदोन्नति, स्थानान्तरण, सेवानिवृत्ति इत्यादि के बारे में सूचनाएं प्रकाशित करती है।

13.4 इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका (Electronic News Letter)

ऐसी समाचार पत्रिका जो कम्प्यूटर नेटवर्क पर प्रकाशित एवं वितरित की जाती है, इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका के नाम से जानी जाती है। इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका की शुरुआत 1990 से मानी जाती है तथा इसके बाद से इसकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। यह उन लक्षित पाठकों को ई–मेल के द्वारा वितरित की जाती है, जो स्वेच्छा से इसकी सदस्यता प्राप्त करते हैं। इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका को हाइपर लिंक के रूप में इसके पैतृक संगठन के वेब पेज में शामिल किया जाता है। विभिन्न अध्ययनों से यह स्पष्ट है कि उपभोक्ता वेबसाइट की अपेक्षा ई–मेल से सूचनाओं को लेने में अधिक रुचि लेते हैं। इसलिये यह विधि वेब पेज संचालकों के द्वारा अपने वेब पेज की तरफ उपभोक्ताओं के ध्यानाकर्षण में अधिक सहायक होती है।

13.5 घरेलू पत्रिका (House Journal)

घरेलू पत्रिका एक उद्योग, व्यवसायिक संगठन, सार्वजनिक सेवा एवं समानार्थी संगठनों के द्वारा अपने प्रदर्शन एवं कार्य तरीकों के बारे में जनता को सूचित करने के लिए प्रकाशित धारावाहिक प्रकाशन है। यह साथ ही अपने प्रदर्शन के बारे में जनता की राय एवं प्रतिक्रिया जानने का भी माध्यम है। घरेलू पत्रिका किसी संगठन के प्रचार साहित्य का एक रूप है। जो पैतृक संगठन की छवि को कर्मचारियों एवं ग्राहकों में बढ़ाने की कोशिश करता है तथा संगठन के उत्पादों एवं सेवाओं को प्रोत्साहित करते हुये आवश्यक विज्ञापनों को भी उपलब्ध कराता है।

घरेलू पत्रिका की उत्पत्ति 200 ई0पू0 में चीन के हान राजवंश के समय से मानी जाती है। यह उस समय अदालत की सूचनाओं को जानने के लिए आन्तरिक संचार व्यवस्था का माध्यम था। यह 17वीं शताब्दी में तांग राजवंश के समय अधिकारिक राजपत्र के रूप में प्रकाशित होने लगे तथा वर्तमान में यह घरेलू पत्रिका के नाम से प्रकाशित होते हैं। पहली अधिकारिक वाह्य घरेलू पत्रिका 1 मार्च 1865 को एक यात्री बीमा कम्पनी द्वारा 'द ट्रेवलर रिकार्ड' के नाम से प्रकाशित हुयी थी, इस घरेलू पत्रिका का प्रकाशन आज भी जारी है।

घरेलू पत्रिका के क्षेत्र में तीन प्रकार से विस्तार हुआ है, भवन परिसंचरण, पृष्ठों को जोडना और प्रायोजित संगठनों के विषेष रुचि वाले समूह के लिए नये प्रकाशनों को प्रकाशित करना। वर्तमान में घरेलू पत्रिकाएं व्यापार, उद्योग, श्रम संगठन, क्लब एवं अन्य विषेष रुचि वाले समूहों हेतु प्रकाशित की जाती है।

13.5.1 घरेलू पत्रिकाओं के लक्षण (Features of House Journals)

धरावाहिक प्रकाषन के रुप में घरेलू पत्रिकाओं के कुछ सामान्य लक्षण निम्नलिखित हैं–

1. ये प्रायोजित संगठन द्वारा संगठन की छवि बढ़ाने के लिए, उनके उत्पादों एवं सेवाओं के प्रचार के लिए प्रकाशित की जाती हैं।
2. घरेलू पत्रिका सामान्यतः अपने कर्मचारियों एवं संभावित ग्राहकों को मुफ्त में वितरित की जाती हैं।

3. प्रायोजित संगठनों के द्वारा बजट आवंटन में पैतृक संगठन के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त की जाती हैं।
4. घरेलू पत्रिका प्रायोजित संगठन के अलावा किसी अन्य संगठन का विज्ञापन नहीं लेती हैं।
5. घरेलू पत्रिकाएं अच्छे गुणवत्ता वाले कागज पर छापी जाती हैं तथा ये सामान्यतः रंगीन एवं आकर्षक होती हैं।

13.5.2 घरेलू पत्रिका के कार्य (Function of House Journal)

सामान्यतः घरेलू पत्रिकाओं के निम्नलिखित कार्य हैं–

1. व्यापारिक एवं औद्योगिक सम्बन्धों में सुधार लाने का प्रयास करना
2. कर्मचारियों एवं ग्राहकों के हितों को सुनिश्चित करना
3. प्रबंधन के विचारों के संप्रेषण के लिए यह एक उपयोगी मंच की तरह कार्य करती है
4. समाचार सेवाओं के उद्देश्यों को पूरा करती है

13.5.3 घरेलू पत्रिका के प्रकार (Types of House Journal)

घरेलू पत्रिकाओं को सामान्य तौर पर मुख्यतः तीन प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है– आंतरिक, बाहरी एवं दोनों का संयोजन।

1. आन्तरिक घरेलू पत्रिका (Internal House Journal)-

आन्तरिक घरेलू पत्रिका संगठन के कर्मचारियों के लिए प्रकाशित होती है तथा इसका तात्पर्य आन्तरिक परिसंचरण से है। इसका प्राथमिक उद्देश्य संगठन के कर्मचारियों के कल्याण के उपाय और उसके कर्मचारियों के लिए संगठन की चिंता को अभिव्यक्त करना है। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि यह अपने कर्मचारियों को एक मंच प्रदान करती है, जिससे वे अपने विचारों को प्रदर्शित कर सकें। इस प्रकार यह एक द्विपक्षीय संचार का उचित मंच है, जो कि संगठन के आन्तरिक स्वास्थ वृद्धि को प्रोत्साहित करता है।

2. बाह्य घरेलू पत्रिका (External House Journal)-

बाह्य घरेलू पत्रिका संगठन के ग्राहकों एवं सम्भावित ग्राहकों के लिए तैयार की जाती है अर्थात् इसका सम्बन्ध बाह्य परिसंचरण से है। बाह्य घरेलू पत्रिका को इसके तथ्यों के आधार पुनः तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है–

I. पहला प्रकार विद्वान पत्रिका है, इसका प्रत्येक प्रतिमान तकनीकी पत्रिका के समान महत्व रखता है।
II. दूसरा प्रकार मैगजीन है, इसमें संगठन के उत्पादों के बारे में सामान्य जानकारी होती है। इसमें तकनीकी विवरण का अभाव होता है।
III. तीसरा प्रकार नियतकालिक पत्रिका सूची है, जो कि व्यापार सूची के समान होती है।

3. संयोजित घरेलू पत्रिका (Combined House Journal)-

यह संगठन के कर्मचारियों के साथ ही ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए प्रकाशित की जाती है।

13.6 व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन (Business and Product Bulletin)

व्यापार और उत्पाद बुलेटिन भी एक सूचना उत्पाद है जो विभिन्न प्रकार की सामग्री, उत्पाद एवं सेवाओं पर प्रकाशक, निर्माता अथवा वितरक के द्वारा प्रकाशित की जाती है। व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन सभी प्रकार की सामग्री, उत्पाद, सेवाओं, दवाओं से लेकर अत्यन्त जटिल मशीनरी एवं उपकरण जो अनुसंधान एवं उद्योगों में प्रयोग होते हैं, को आभासी स्वरूप में शामिल करती है। इस प्रकार के व्यापार साहित्य का मुख्य उद्देश्य उत्पादों, सामग्रियों एवं सेवाओं की विभिन्न विषेषताओं की व्याख्या करना है तथा इसे सम्भावित ग्राहकों को बेचने के लिए प्रचारित करना है। ये प्रकाशन प्रायः व्यापार सूची के नाम से भी जाने जाते हैं।

13.6.1 व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन के लक्षण (Features of Business and Product Bulletin)

व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन में प्रस्तुत सूचना की मात्रा, प्रकार, स्वरूप एवं आकार में बहुत भिन्नता होती है। व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन के कुछ सामान्य लक्षण निम्नलिखित हैं–

1. यह सामान्य तौर पर वर्णनात्मक जानकारी देते हैं। दवाईयों एवं जटिल वैज्ञानिक उपकरणों से सम्बन्धित व्यापार साहित्य के आलावा यह उत्पाद के विकास से सम्बन्धित अनुसंधान विवरण को उपलब्ध नहीं कराते हैं।
2. व्यापार बुलेटिन एक प्राथमिक स्रोत है, जो उत्पाद के बारे में सूचना अपने ही प्रकाशन या किसी अन्य साहित्य से उपलब्ध कराता है।
3. इन बुलेटिनों में प्रस्तुत सूचना की निरन्तरता शीध्र ही कम हो जाती है। क्योंकि नये उत्पाद और प्रक्रियाएं अपने को बनाये रखने के लिए लगातार बदलती रहती है।
4. इन प्रकाशनों को आमतौर पर मुफ्त में वितरित किया जाता है।
5. निर्माताओं द्वारा प्रकाशित किए गए व्यापार सूची कैटलाग दिनांकित होते हैं।

13.6.2 व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन के कार्य (Functions of Business and Product Bulletin)

व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन प्राथमिक रूप से विक्रय के प्रचार के लिए प्रकाशित किया जाता है। लेकिन यह विभिन्न विषेषज्ञ समूहों जैसे वैज्ञानिक, इंजीनियर, तकनीकी, रसायनविद आदि के लिए प्रमुख सूचना स्रोत के रूप में भी कार्य करता है। इसके प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं–

1. प्रौद्योगिकीविदों को विभिन्न निर्माताओं के समान उत्पादों में तुलना कर श्रेष्ठ उत्पाद को चुनने में मदद करता है।
2. औद्योगिक उत्पादों के वितरक, निर्माताओं के नाम और पते का आसान स्रोत है।
3. निर्माताओं, विक्रेताओं एवं खरीदारों के बीच महत्वपूर्ण संचार माध्यम के रूप में कार्य करता है।

4. इन बुलेटिनों में प्रकाशित लेख रंगीन चित्रों, चार्ट और चित्र के साथ एक व्यापक मांग पत्र के साथ प्रस्तुत किये जाते हैं।
5. औद्योगिक उत्पादों के बारे में आधुनिक सूचना उपलब्ध कराता है।

13.6.3 व्यापार साहित्य के स्रोत (Sources of Business Literature)

व्यापार साहित कई तरह के स्रोतों में विभिन्न रूपों में उपलब्ध होता है। इनमें से कुछ प्रमुख स्रोत निम्नलिखित हैं–

1. तकनीकी पत्रिका एवं लोकप्रिय मैगजीन विज्ञापनों के रूप में सूचनाएं प्रकाशित करती हैं।
2. पत्रिकाओं में ही उनका एक विषेष भाग किसी व्यवसाय विषेष अथवा किसी विशिष्ट व्यवसायिक संस्था को समर्पित किया जा सकता है।
3. किसी एक व्यसायिक संस्था अथवा कई व्यवसायिक संस्थाओं का उत्पाद कैटलाग।
4. किसी संस्था का हाउस जर्नल एवं समाचार पत्रिका।
5. व्यापार प्रदर्शनियों में उत्पाद विवरण आपूर्ति।
6. उद्योगों, उत्पादों और व्यवसायिक संस्थाओं की निर्देशिकाएं।
7. इन्टरनेट पर व्यापार पोर्टल एवं
8. विभिन्न व्यवसायिक संस्थाओं की वेबसाइट।

13.7 सारांश (Summary)

प्रस्तुत पाठ में पुस्तकालयों के सन्दर्भ में सूचना उत्पाद के बारे में मूलभूत जानकारी प्राप्त की। पुस्तकालयों के द्वारा विभिन्न सेवाओं के माध्यम से प्रदान की जाने वाले सूचना उत्पादों को जानने का प्रयत्न किया। सूचना उत्पाद के विभिन्न प्रकारों में से समाचार पत्रिका के बारे में ऐतिहासिक विवरण का अध्ययन किया, इसके विभिन्न प्रकारों को जाना तथा समाचार पत्रिका के विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला। सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव के आधार पर इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका के प्रादुर्भाव, आवश्यकता एवं प्राप्ति का वर्णन प्रस्तुत किया। घरेलू समाचार पत्रिका, इसके लक्षण, प्रकार एवं कार्यों पर विस्तार से ज्ञान अर्जित किया एवं अन्त में व्यापार एव उत्पाद बुलेटिन, उसके लक्षण, कार्य एवं व्यापार साहित्य के स्रोतों की बिन्दुवार जानकारी प्रस्तुत की।

जैसा की हम सभी को स्पष्ट है कि पुस्तकालयों का मुख्य उद्देश्य उनके उपयोगकर्ताओं को सूचना प्रदान कर उपयोगकर्ताओं में सूचना संतुष्टि की भावना को बढ़ाना है । यह उद्देश्य प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं और इसी क्रम में यदि इन सेवाओं के माध्यम से तैयार किये गये पुस्तकालय के सूचना उत्पादों अथवा विभिन्न व्यवसायिक संस्थाओं के सूचना उत्पादों को उपयोकर्ताओं तक पहुँचाया जाय तो इससे न केवल उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि के स्तर को बढ़ाया जा सकता है वरन् पुस्तकालय में उपलब्ध सूचना स्रोतों के संग्रह एवं उससे प्रदत्त सेवाओं के सन्दर्भ में उपयोगकर्ताओं में जागरूकता को भी बढ़ाया जा सकता है।

13.8 मॉडल प्रश्न (Model Questions)

1. सूचना उत्पाद से आप क्या समझते हैं ? पुस्तकालय में इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

   What do you understand by Information product ? Express its importance for a library.

2. समाचार पत्र क्या है ? इसके विभिन्न प्रकारों एवं कार्यों का वर्णन कीजिए ।

   What is News paper ? Discuss its various types and functions.

3. इलेक्ट्रानिक समाचार पत्रिका पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

   Write a short note on Electronic Bulletin.

4. घरेलू पत्रिका क्या है ? इसके लक्षण एवं कार्यों पर प्रकाश डालिए ।

   What is House journal ? Discuss its characteristics and functions.

5. व्यापारिक एवं उत्पाद बुलेटिन के लक्षणों एवं कार्यों पर प्रकाश डालते हुए इसके बारे में समझाइऐ।

   Discuss various characteristics and function of Business and product bulletin.

13.9 सन्दर्भ सूची (References)

1. Guha (B). Documentation and Information. Ed 2. Calcutta, World Press, 1983
2. Ranganathan (SR). Documentation: Genesis and Development. Delhi, Vikas Publishing House, 1973.
3. Rowley (J E) and Turner (C M D). Dissemination of Information. London, Andre Deutsch, 1978.
4. Dhyani (P), Ed. Information Services and Libraries. New Delhi, Atlantic Publishers and Distributers, 1990.
5. Mukherjee (A K). Fundamentals of Special Librarianship and Documentation. Calcutta, IASLIC, 1969.
6. Albert, Walker (1974). House Journals. In: Kent, A.(et.al.) (eds.). Encyclopaedia of Library and Information Science. New York: Marcel Dekker.Vol. 11, pp.61-4.
7. Subramanyam, K.(1980). Trade Catalogues: Technical Literature. In: Kent, A. (et.al.) (eds.). Encyclopaedia of Library and Information Science. New York: Marcel Dekker.Vol. 30, pp.190-98.
8. Bryson (J). Effective Library and information Centre Management. England, Gower, 1990.
9. Evans (GE). Management Techniques for Libraries. New York, Academic Press, 1976.

10. Evans (GE), Ward (PL) and Ruzaas (B). Management Basics for Information Proftssionals. New York, Neal-Schuman Publishers, 2000.

11. Haynes (WW), Massie (JL) and Wallace (MJ). Management: Analysis, Concepts and Cases. 31ed. New Jersey, Prentice Hall, 1975.

12. Brophy (P) and Couling (K). Quality Management for Information and Library Managers. Hampshire, ASLIB Gower, 1997.

13. Clair (GS). Total Quality Management in Information Services. London, Bowker Saur, 1997.

14. Evans (GE) and Ward (PL). Beyond the Basics: A Management Guide for Library and Information Professionals. New York, Neal-Schuman Publishers, 2003.

15. Rizzo (IR). Management for Librarians: Fundamentals and Issues. West Port, Greenwood Press, 1980.

16. Stueart (RD) and Moran (BB). Library Management. 6 ed. Englewood, Libraries Unlimited, 2004.

17. Bryson (J). Effective Library and information Centre Management. England, Gower, 1990.

18. Evans (GE). Management Techniques for Libraries. New York, Academic Press, 1976.

19. Evans (GE), Ward (PL) and Ruzaas (B). Management Basics for Information Proftssionals. New York, Neal-Schuman Publishers, 2000.

Haynes (WW), Massie (JL) and Wallace (MJ). Management: Analysis, Concepts and Cases. 31 ed. New Jersey, Prentice Hall, 1975.

● ● ●